विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा

579. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा कम होता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा कितना रहा है;

(ग) उक्त व्यापार में भारत का हिस्सा बढ़ाने के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) और (ख) जी, हां। पिछले तीन वर्षों यानी वर्ष 1989, 1990 और 1991 के दौरान विश्व व्यापार में भारत के हिस्से का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

वर्ष	विश्व व्यापार में % हिस्सा
1989	0·59
1990	0·59
1991	0·54

(स्रोत :—संयुक्त राष्ट्र व्यापार सांख्यिकी की मासिक बुलेटिन के विभिन्न अंक)

(ग) व्यापार नीति में जुलाई, 1991 से अनेकों परिवर्तन किए गए जिनका उद्देश्य निर्यात प्रोत्साहनों को सुदृढ़ बनाना, आयात लाइसेंस को काफी हद तक समाप्त करना और आयात टैरिफ ढांचे को युक्तिसंगत बनाना था। विदेशी मुद्रा सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए रुपये को आंशिक रूप से परिवर्तनीय बना दिया गया है। इन उपायों को नई आयात-निर्यात नीति में पुनः सुदृढ़ किया गया है जिनका उद्देश्य, अन्य बातों के साथ-साथ भारतीय उद्योग की उत्पादकता, आधुनिकीकरण और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हुए निर्यात क्षमताओं को बढ़ावा देना है। इस नीति में विदेश व्यापार के लिए नियंत्रण-मुक्त ढांचे के अन्तर्गत कार्यक्रम और अन्तर्राष्ट्रीय रूप से प्रतिस्पर्धी आयात प्रतिस्थापनों तथा आत्म निर्भरता की अपेक्षा की गई है। निर्यात की गति में पुनः तेजी सुनिश्चित करने के लिए एक अल्पावधि कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अतिरिक्त 34 वस्तुओं को "एक्स्ट्रीम फोकस" सेक्टर के रूप में अभिज्ञात किया गया है जिसका उद्देश्य निर्यात में प्रतिवर्ष 30% मूल्य बढ़ाना है।

आयातित/निर्यातित वस्तुओं का मूल्य

580. **श्री गया सिंह** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि अगस्त, 1990 से अगस्त, 1991 और अगस्त, 1991 से अगस्त, 1992 की अवधि के दौरान आयात/निर्यात की गई वस्तुओं के कुल मूल्य का अलग-अलग ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : भारत के व्यापार आंकड़े वित्तीय वर्ष आधार पर रखे जाते हैं। वित्तीय वर्ष 1990-91, 1991-92 और अप्रैल–सितम्बर, 1992 के दौरान आयात की गई वस्तुओं का कुल मूल्य निम्नानुसार है :—

(मूल्य : करोड़ रुपये)

अवधि	भारत का आयात
1990-91	43193
1991-92	47813
अप्रैल–सितम्बर, 92	31868

Action Against Export Business Houses

581. DR. SANJAYA SINH : Will the PRIME MINISTER be pleased to slate :

(a) whether it is. a fact that Government propose to take action against more than 250 big firms, including some large business houses, which have failed to meet their export obligations; and

(b) if so what ere the details in this regard 7

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED) :(a) Yes, Sir.

(b) There are 514 cases of export obli-I gallon relating to Letters of Intent/Industrial licences, Foreign Collaboration approvals and Joint Venture. Out of these, in 143 cases, export obligation has been